संस्कृत-साहित्य, वैदिक-अध्ययन एवं दर्शनशास्त्र के पाठ्य-मण्डल की बैठक का कार्य विवरण

दिनांक 14 फरवरी 1985 को ज्ञानमन्दिर वनस्थली विद्यापीठ के कक्ष-संख्या 27 में पूर्वाह्न 10.30 बजे से 1.30 बजे तक एवं अपरान्ह 3.00 बजे से 5.30 बजे तक संस्कृत-साहित्य, वैदिक-अध्ययन एवं दर्शन-शास्त्र के पाठ्य-क्रम मण्डल की बैठक हुई, जिसकी कार्यवाही निम्नांकित है—

उपस्थिति-

1. पं. जगदीश जी शर्मा ... ... विशेष आमन्त्रित सदस्य
2. डॉ. आर. एस. भटनागर ... बाह्य सदस्य-दर्शनशास्त्र
3. डॉ. भारती पाण्डेय ... ... आभ्यन्तर सदस्य
4. श्रीमती शान्ति शर्मा ... ... " "
5. डॉ. चन्द्रकिशोर गोस्वामी ... संयोजक

विशेष-

1. डॉ. रामचन्द्र द्विवेदी, प्रो. एवं अध्यक्ष-संस्कृत विभाग राजस्थान विश्वविद्यालय — बाह्य सदस्य
2. डॉ. मूलचन्द्र पाठक, प्रो. एवं अध्यक्ष-संस्कृत विभाग उदयपुर-विश्वविद्यालय — बाह्य सदस्य
3. डॉ. मदनमोहन अग्रवाल — आभ्यन्तर सदस्य

उक्त बैठक में अनुपस्थित रहे ।

संयोजक ने मण्डल के उपस्थित सदस्यों का अभिनन्दन किया । पिछली बैठक की कार्यवाही के अनुमोदन के बाद निम्नांकित बिन्दुओं पर सदस्यों ने विचार-विमर्श कर निर्णय लिया :-

1. पूर्व-विश्वविद्यालय, परीक्षा संस्कृत, प्रथमवर्ष (त्रैवार्षिक-पाठ्यक्रम) संस्कृत एवं एम. ए. (पूर्वार्द्ध) संस्कृत की 1986 की परीक्षाओं के पाठ्यक्रम,
   द्वितीय वर्ष (त्रैवार्षिक पाठ्यक्रम) संस्कृत एवं एम. ए. (उत्तरार्द्ध) संस्कृत की 1987 की परीक्षाओं के पाठ्यक्रम,
   तृतीय वर्ष (त्रैवार्षिक पाठ्यक्रम) संस्कृत की 1988 की परीक्षा का पाठ्यक्रम ।

   मण्डल द्वारा संस्तुत ये पाठ्यक्रम परिशिष्ट-संख्या 1 में प्रस्तुत हैं ।

2. वैदिक-अध्ययन के पाठयक्रम पर विचार करते हुए सदस्यों की मान्यता थी कि संस्कृत-परीक्षाओं के अंग्रेजी नाम "सर्टिफिकेट-कोर्स" एवं "डिप्लोमा-कोर्स" के स्थान पर उनका संस्कृत नाम ही निर्धारित किया जाय । अन्य भाषाओं के विद्यापीठ में प्रचलित पाठयक्रमों के साथ नाम की एकरूपता की दृष्टि से

क्रमशः-2.

"सर्टिफिकेट-कोर्स" और "डिप्लोमा-कोर्स" के लिए उनके अनूदित-नाम "संस्कृत प्रमाण-पत्र परीक्षा" एवं संस्कृतोपाधिपत्र परीक्षा" का व्यवहार करने की संस्तुति की गई। अतः आगे इन परीक्षाओं को इन्हीं नामों से लिखा जायेगा।

वैदिक-अध्ययन की संस्कृत-प्रमाण पत्र परीक्षा, संस्कृतोपाधिपत्र परीक्षा एवं त्रैवार्षिक शास्त्रिपरीक्षा-प्रथमवर्ष का 1986 का पाठयक्रम, शास्त्री द्वितीय वर्ष परीक्षा का 1987 का पाठयक्रम एवं शास्त्री-तृतीय वर्ष परीक्षा का 1988 का पाठ्यक्रम।

इन पाठ्यक्रमों के सम्बन्ध में मण्डल द्वारा की गई संस्तुतियाँ परिशिष्ट-संख्या-2 में प्रस्तुत हैं।

3. दर्शन-शास्त्र (त्रैवार्षिक पाठ्यक्रम) प्रथमवर्ष की 1986 की परीक्षा का पाठयक्रम, द्वितीय वर्ष परीक्षा का 1987 का पाठयक्रम एवं तृतीयवर्ष परीक्षा का 1988 का पाठयक्रम। मण्डल द्वारा अभिशंसित ये पाठयक्रम परिशिष्ट-संख्या 3 में दिए जा रहे हैं।

4. एम. ए. (संस्कृत)-पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध के प्रश्नपत्रों की संख्या पर विचार किया गया। दोनों वर्षों में क्रमशः 4-4 कुल 8 प्रश्न पत्र रखे जाने का सदस्यों ने सुझाव दिया।

मौखिकी परीक्षा के सम्बन्ध में बाह्य सदस्य डॉ. भटनागर का विचार था कि लिखित- अभिव्यक्ति के समान ही महत्वपूर्ण मौखिक अभिव्यक्ति भी है। अतः ज्ञान के मूल्यांकन के लिए मौखिक-परीक्षा भी होनी चाहिए। यदि मौखिक परीक्षा के प्रचलित दोषों के कारण उसका वर्तमान रूप न स्वीकार किया जा सके तब भी आन्तरिक मूल्यांकन में उसका स्थान हो और वह आन्तरिक-मूल्यांकन वार्षिक परीक्षा से सम्बद्ध रहे। डॉ. भटनागर का सुझाव तो सभी विषयों और परीक्षा के सभी स्तरों पर मौखिक परीक्षा रखे जाने का था।

5. परीक्षाओं के परीक्षकों की नाम सूची के सम्बध में भी विचार-विमर्श हुआ। ये नाम- सूचियाँ पृथक रूप से परीक्षा-विभाग, वनस्थली-विद्यापीठ को प्रदान कर दी गयी हैं।

धन्यवादार्पण के बाद बैठक की कार्यवाही सम्पन्न हुई।

परिशिष्ट सं0 2

वैदिक अध्ययन
संस्कृत प्रमाणपत्र परीक्षा, 1986

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की सैकण्डरी स्कूल या मान्यता प्राप्त समकक्ष संस्कृत परीक्षा उत्तीर्ण की हुई छात्राएं एक वर्ष के प्रमाणपत्र परीक्षा में प्रवेश ले सकती हैं ।

प्रमाणपत्र परीक्षा में तीन अनिवार्य प्रश्नपत्र होंगे जिनमें से प्रत्येक प्रश्न-पत्र के पूर्णांक 100 रहेंगे एवं परीक्षा-काल तीन-तीन घण्टे का होगा । तीन वैकल्पिक विषयों में से किसी एक को छात्रा ग्रहण करेगी । वैकल्पिक विषय के दो प्रश्नपत्रों के पूर्णांक पचास-पचास एवं परीक्षा का समय तीन-तीन घण्टे का होगा ।

प्रमाणपत्रों की रचना संस्कृत में होगी ।

अनिवार्य प्रश्नपत्र सं0 2 के उत्तर परीक्षार्थी संस्कृत या हिन्दी में से किसी भाषा में इच्छानुसार दे सकता है । शेष सभी प्रश्नपत्रों के उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जावेंगे ।

अनिवार्य प्रश्नपत्र

1- व्याकरण शास्त्र	100 अंक
2- काव्य (पद्य, गद्य व नाटक)	100 अंक
3- कोश, अनुवाद, रचना व श्रुतलेख	100 अंक

वैकल्पिक विषय (कोई एक)

1- ऋग्वेद	दो प्रश्न पत्र 50+50=	100 अंक
2- यजुर्वेद		
3- सामवेद	कुल योग	400 अंक

उपर्युक्त प्रश्नपत्रों की अंक योजना व पाठ्यक्रम निम्नांकित है:-

प्रथम प्रश्न-पत्र:- व्याकरण

लघु सिद्धान्त कौमुदी षड्लिंगपर्यन्त

संज्ञा प्रकरण	15 अंक
सन्धि प्रकरण	35 अंक
षड्लिंग प्रकरण	50 अंक
कुल योग:	100 अंक

संस्तुत पुस्तके:-

1- लघुसिद्धान्त-कौमुदी -प्रथम भाग, भैमी व्याख्या भीमसेन कृत
2- लघुसिद्धान्त-कौमुदी - प्रथम भाग - महेशसिंह कुशवाहा
3- लघु सिद्धान्त- कौमुदी- श्री धरानंन्द शास्त्री कृता टीका
4- लघु सिद्धान्त कौमुदी- सदा शिवकृत सुधा व्याख्या
5- लघुसिद्धान्त-कौमुदी इन्दुमती व्याख्या- रामचन्द्र झा

क्रमशः -2.

<u>द्वितीय प्रश्नपत्र</u> – काव्य (पद्य, गद्य व नाटक)

पद्य	30 अंक
गद्य	30 अंक
नाटक	20 अंक
सामान्य प्रश्न	20 अंक
योग:	100 अंक

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें:-

1– रघुवंशम् – प्रथमसर्ग:

2– चन्द्रापीड कथा– बी. अनन्ताचार्य: (प्रारम्भ से 50 वें पृष्ठ पर "तस्यामेव च आवासम् अरोचयत्" तक)

3– दूतघटोत्कचम् – भास:

<u>तृतीय प्रश्न पत्र</u>– कोश, अनुवाद, रचना व श्रुतलेख

कोश	30 अंक
अनुवाद–हिन्दी से संस्कृत में	15 अंक
संस्कृत से हिन्दी में	5 अंक
रचना – पत्रलेखन	5 अंक
निबन्ध (सामान्य वर्णनात्मक)	15 अंक
श्रुतलेख	30 अंक

टिप्पणी– श्रुतलेख के लिए 30 मिनट का अलग से समय दिया जायेगा । शेष लिखित तृतीय प्रश्नपत्र $2\frac{1}{2}$ घण्टे का होगा ।

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें–

1– अमरकोश– नाट्यवर्ग एवं अव्ययवर्ग (सम्पूर्ण) एवं नानार्थवर्ग– तृतीयकाण्ड के पद्य सं0 240 से अन्त तक (प्रभाटीका सहित, चौखम्भा विश्वभारती, चौक, वाराणसी।)

2– रचनानुवाद कौमुदी: कपिल देव द्विवेदी (वाराणसेय विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)

3– अनुवाद चन्द्रिका – चक्रधरहंस (प्रका0 मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली)

वैकल्पिक विषय– (1) <u>ऋग्वेद</u>

प्रथम प्रश्न पत्र– ऋग्वेदोक्त गणपतिनवग्रहमातृकामंत्रा: 50 अंक

द्वितीय प्रश्नपत्र–श्री रूद्राध्याय: (ऋग्वेदसंहिता) 50 अंक

(प्रकाशक–चौखम्भा संस्कृत सीरीज, वाराणसी–1)

(2) <u>यजुर्वेद</u>

(104) Sans (29)

प्रथम प्रश्नपत्र- शुक्लयजुर्वेदीयगणपति नवग्रहमातृका मंत्र: 50 अंक

द्वितीय प्रश्नपत्र-शुक्लयजुर्वेदीय: रूद्राष्टाध्यायी- 50 अंक
सरस्वर§ 1-4 अध्याय§

§किसी भी प्रकाशक की पुस्तक से सहायता ली जा सकती है §

§3§ सामवेद

प्रथम प्रश्नपत्र- सामवेदोक्तगणपति नवग्रहमातृका-मंत्रा: 50 अंक

द्वितीय प्रश्नपत्र-सामवेदीयरूद्रजपविधि: 50 अंक

§प्रकाशक-चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी-1§

संस्कृतोपाधिपत्र-परीक्षा, 1986

विद्यापीठ की संस्कृत प्रमाण-पत्र परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली छात्राएं एक वर्ष की उपाधिपत्र परीक्षा में प्रवेश ले सकती हैं । प्रमाण-पत्र-परीक्षा के समकक्ष मान्यता प्राप्त अन्य परीक्षाएं उत्तीर्ण करने वाली छात्राएं भी एक वर्ष की उपाधिपत्र परीक्षा में प्रवेश ले सकेंगी किन्तु उन्हें विद्यापीठ की प्रमाण-पत्र परीक्षा के अनिवार्य प्रश्नपत्रों में से प्रथम प्रश्नपत्र-व्याकरणशास्त्र की परीक्षा भी (अतिरिक्त रूप से) देनी होगी ।

संस्कृत की उपाधिपत्र परीक्षा में तीन अनिवार्य विषयों में से दो लिखित प्रश्नपत्रों के पूर्णांक सौ-सौ होंगे एवं परीक्षावधि तीन-तीन घण्टे की होगी । 50 अंकों की मौखिकी (Viva-Voce) भी सभी परीक्षार्थियों के लिए अनिवार्य होगी । तीन वैकल्पिक विषयों में से छात्राओं को , किसी एक विषय का चयन करना होगा जिसके तीन प्रश्नपत्र होंगे प्रत्येक प्रश्नपत्र के पूर्णांक 50 व परीक्षाकाल 3 घण्टे का होगा ।

प्रश्नपत्रों की रचना संस्कृत भाषा में होगी ।

परीक्षा का माध्यम संस्कृत - भाषा रहेगी ।

अनिवार्य अविषय-

प्रथम- पत्र सामान्य संस्कृत		100 अंक
द्वितीय पत्र व्याकरण शास्त्र, रचना व अनुवाद		100 अंक
तृतीय पत्र मौखिकी		50 अंक
वैकल्पिक विषय (कोई एक पठनीय)		
1- ऋग्वेद	तीन प्रश्नपत्र-	150 अंक
2- यजुर्वेद		
3- सामवेद	तीन प्रश्नपत्र - 50+50+50	
कुल योग		400 अंक

(31)

106

डिप्लोमा कोर्स परीक्षा की अंक-योजना व पाठ्यक्रम निम्नांकित है:-

प्रथम प्रश्नपत्र - सामान्य संस्कृत

1- गद्य	30 अंक
2- पद्य	25 अंक
3- नाटक	25 अंक
4- सामान्य प्रश्न	20 अंक
योग	100 अंक

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें:-

1- दशकुमारचरितम् - पूर्वपीठिका - प्रथम उच्छवास: - दण्डी
2- कुमारसम्भवम् - पंचमसर्ग:- कालिदास:
3- कुन्दमाला - दिङ्. नाग: अथवा चारुदत्तम् : भास:

द्वितीय प्रश्नपत्र - व्याकरणशास्त्र, रचना व अनुवाद

1- व्याकरणशास्त्र -

लघु सिद्धान्तकौमुदी -उत्तरार्ध	
दशगण	20 अंक
प्रक्रियाभाग	8 अंक
कारक प्रकरण	4 अंक
समास प्रकरण	8 अंक
कृत्यप्रक्रिया, पूर्ण व उत्तर	
कृदन्त प्रकरण	8 अंक
तद्धित प्रत्यय प्रकरण	8 अंक
स्त्रीप्रत्यय प्रकरण	4 अंक
	60 अंक

2- अनुवाद-

हिन्दी से संस्कृत में	20 अंक
संस्कृत से हिन्दी में	10 अंक
3- रचना -निबन्धलेखन	10 अंक
योग	100 अंक

संस्तुत पुस्तकें-

1- लघु सिद्धान्त-कौमुदी 2,3 भाग : भैमी व्याख्या - भीमसेन कृत
2- लघु सिद्धान्त कौमुदी 1,2 भाग : महेशसिंह कुशवाहा
3- लघुसिद्धान्त कौमुदी : श्रीधरानन्दकृत टीका
4- लघु सिद्धान्त कौमुदी : सदाशिवकृता व्याख्या
5- संस्कृत निबन्धशतकम् : कपिलदेव द्विवेदी
6- संस्कृत निबन्धादर्श: : राममूर्ति शर्मा
7- रचनानुवाद-कौमुदी : कपिलदेव द्विवेदी

क्रमशः:-3.

8- संस्कृत-अनुवाद-कौमुदी : शिवबालक द्विवेदी
9- लघु सिद्धान्त कौमुदी : इन्दुमती व्याख्या रामचन्द्र झा।

वैकल्पिक विषय :

§1§ ऋग्वेद

प्रथम प्रश्नपत्र- ऋग्वेद संहिता
§प्रथम मण्डल के 1 से 6 अनुवाक् सस्वर§ 50 अंक

द्वितीय प्रश्नपत्र- §1§ ऋग्वेद संहिता
§प्रथम मण्डल के 7-8 अनुवाक् सस्वर§ 25 अंक
§2§ ग्रहशान्तिः
§ऋग्वेदोक्त पुण्याहवाचन एवं ऋग्वेदीय मंत्रों से गणपतिपूजन, मातृका-पूजन, ग्रहपूजन, कलश-पंचलोकपाल व वसोर्धारापूजन व प्रधान संकल्प§ 25 अंक
50 अंक

§2§ यजुर्वेद

प्रथम प्रश्नपत्र- यजुर्वेद संहिता
§1 से 3 अध्याय-सस्वर§ 50 अंक

द्वितीय प्रश्नपत्र §1§ यजुर्वेद संहिता
§ 4 से 5 अध्याय -सस्वर व पदपठसहित§ 25 अंक
§2§ यजुर्वेदीयग्रहशान्तिः
§पुण्याहवाचन, गणपति-नवग्रह-मातृका-कलशपंचलोकपालवसोर्धारा-पूजन व प्रधान-संकल्प§ 25 अंक
50 अंक

तृतीय प्रश्न-पत्र-§क§ निघण्टु §1 व 2 अध्याय§ एवं सामान्य प्रश्न 25 अंक
§ख§ द्वितीय प्रश्न पत्र के खण्ड §2§ की प्रायोगिक परीक्षा 25 अंक

§2§ सामवेद

प्रथम प्रश्नपत्र- सामसंहिता §पूर्वार्चिक - प्रथम से तृतीय प्रपाठक का गायन§ 50 अंक

द्वितीय प्रश्नपत्र- §1§ सामसंहिता §पूर्वार्चिक-चतुर्थ प्रपाठक का गायन 25 अंक
§2§ सामवेदीय ग्रहशान्ति §चतुर्वेदोक्त संस्कार-दीपक के पुण्याहवाचन में से केवल सामवेद के मंत्र प्रधान-संकल्प, गणपति, पूजन, मातृका-नवग्रह कलश-पंचलोकपाल व सोर्धारापूजन। 25 अंक
50 अंक

तृतीय प्रश्नपत्र- §क§ निघण्टु§ 1 व 2 अध्याय § व सामान्य प्रश्न 25 अंक
§ख§ द्वितीय प्रश्नपत्र के खण्ड §2§ की प्रायोगिक परीक्षा 25 अंक
50 अंक

Minutes of the meeting of the Board of study in Music held on Feb. 16, 1985 in Vidya Mandir, Room No.15. The following members attended the meeting:-

External:

(1) Prof. U.S.Kochak

Internal:

1. Dr.R.D.Verma
2. Km. Abha Vyas
3. Smt. Shakuntala Shastri
4. Smt. Ibe Tambi
5. Smt. Manju Shukla
6. Kum. Beena Singh

1. After the formal welcome, the members studied the minutes of the Board of study held on 4th and 5th July, 1984 and approved it.

2. The Board then considered syllabi, courses of studies and scheme of all the Examinations in Music (Vocal/Inst.) from P.U. to Post Graduate and approved as it is. The members of the Board also approved the syllabi, Courses of study and scheme of all the Examinations in Dance (Kathak), after a few corrections and additions as follows:-

Kathak Dance:

(1) (a) In certificate (Prathma) Examination, Theory paper, item No.2 will read now- as- 'Simple knowledge of kathak-Dance"- Broad outline of the technique of Kathak i.e. Foot work, Hand movements in the given Tal'.

(b) Item No.4 will read now as- 'Definition of the following terms used in Kathak Dance- Tal (ताल) Matra (मात्रा) Laya (लय) Sam (सम) Tali (ताली) Khali (खाली) Theka (ठेका) Barabari (बराबरी) Dugun (दुगुन) Chaugun (चौगुन) Aavartan (आवर्तन) Palta (पलटा) Padhant (पढन्त) Gat (गत) Tukra (टुकड़ा) Salami (सलामी) Aamad (आमद) Thah (ठाह) Chaal (चाल) Baant (बाँट).'

(c) Item No.7 is 'knowledge of Trital (त्रिताल) and Jhaptal (झपताल) Ability to write notation in Trital of all the 'bols' learnt.'

(2) (a) In certificate (Prathma) Examination, Practical Examination the title TRITAL will read now as' the Practical will be hold only in Trital'.

(b) Item No.6 will read now as 'One "Tathei Tat" Aamad (आमद) and one "Tathei Tat thei" Aamad (आमद)'

(3) In certificate (Madhyama I) Examination, Theory paper a new Tal is additionally added. The new Tal which is added is 'Rupak' (रूपक).

(4) In certificate (Madhyama I) Examination, Practical Course under the Head 'Trital' Item No.3 has been additionally inserted as ' Two 'Tathei Tat' Aamads and Two 'Tathei Tathei' Aamads'. Increasing the following items numbers accordingly.

(5) In Item No.8 of Certificate (Madryama II) Examination, Theory paper, 'Chautal' has been dropped out. Three new Talas Viz. 'Ada-Chautal- Teevra and Sooltal' have been additionally added to this item.

(6) The Item No. 4 under Heading 'Dhamar' of the Certificate (Modhyama II) Examination practical Course will now read as 'One Aamad "Ta thei Tat" and one Aamad of "Tathei Tat thei"

(7) In three years B.Mus./ (उत्तमा) (Three years) Course, the scheme of Marks will now read as:-

Scheme -	Total marks	-	300
	Theory 75+50	=	125M.P.M.
	Practical125+50	=	175M.P.M.

(8)(a) In Item No.3 of B.Mus.I/ Uttama I Examination, Theory I paper the techanical terms 'Ullokit(उल्लोकित) and 'Avlokit' (अवलोकित) are additionally added in the end.

(b) The Item No.7 of the same will now read as 'Basic Knowledge of the following Talas, their 'Theka' in Barabar, Dugun, Chaugun (i) Sawari (ii) Ashtmangal (iii) Chautal(iv)Gaj Jhampa'.

(9) (a) In B.Mus.I/Uttama I Examination Part-II practical I, the Item No.4 will now read as 'Four Sada Parans' under Head Trital.

(b) Item No.5 of the same will now read as 'Two Chakkandar Parans' under Head Trital.

(c) The Item No.1 of the same under Head Chautal will read now as One 'Ta Thei Tat' Aamad and One ' Ta thei Tat thei' Aamod'.

Contd...

(180)

Minutes of the meeting of the Board of Studies in Dance held on 28-3-1986 at 10.00A.M. in Sangeet avam Nritya Prashikshan Kendra, Banasthali Vidyapith

Present:

1- Shri Tirath Ram Azad
2- Shri Hari Charan Sinha } External members

3- Smt. Shakuntala Shastri- Acting Convener
4- Smt. Ibe Tombi
5- Smt. Manju Shukla
6- Km. Beena Singh

1- The Board scrutinised the existing panel of examiners submitted by the Office in accordance with the Bye-laws 15-3-02 of the Vidyapith and updated the same.

2- The Board considered recommending courses of study and curricula and scheme of Examination for the following examinations.

I- B.Mus. Dance/Uttama (Kathak/Manipuri) Examinations

i) First Year Examination, 1987
ii) Second Year Examination, 1988
iii) Third Year Examination, 1989.

II- M.Mus. (Dance) Nishnat (Kathak/Manipuri) Examination

i) Part- I Examination, 1987
ii) Part-II Examination, 1988

III- Certificate course (Kathak/Manipuri) Dance Examination

i) Prathama Examination, 1987
ii) Madhyama Part- I Examination, 1987 and 88
iii) Madhyama Part- II Examination1987 and 88

Resolved to recommend as under:

i) The syllabus of Dance should be in Hindi version also.
ii) The existing syllabus of Kathak Dance be repeated for the aforesaid examinations. There are only some typographical errors which have been corrected in a separate book-let of the syllabus.
iii) The Hindi version of the syllabus of Kathak Dance is given at Appendix- I.

cont..

(181)

iv) The syllabus of Manipuri Dance for the aforesaid examinations is given at Appendix-II.

v) The Hindi version of the syllabus of Manipuri Dance w be prepared in the next meeting of the Board of Studi

3. The Board recommended that a student seeking admission i Nishnat be admitted on the basis of merit determined by practical Test conducted by the Vidyapith. A student pas Uttama or equivalent examination be not admitted in Nish directly.

The meeting ended with a vote of thanks to the chair.

Shakuntala Shastri
Acting Convener.

APPENDIX- II

BANASTHALI VIDYAPITH
COURSE OF STUDY
Syllabus for Manipuri Nartan

Certificate (Prathama) Examination

THEORY

1. Definitions of : (i) Shastra
(ii) Sangeet (iii) Nartanam (iv) Swara

2. Definition of : Pada- Bheda- (Khongtha- Makhai)
classifications ;
(i) Sama-pada (khongpak)
(ii) Anchita- pada (Khuning)
(iii) Kunchita-pada (khongchep)
(iv) Buchi-Pada (Khudai)
(v) Agratala Sanchara (Khongdoi)
(vi) Udghatita pada- (Khuning-Haigatpa)

3. Definitions of : Chari/Chali(Khongchat)
Classifications :
(i) Chalana (ii) Chakraman (iii) Sarana
(iv) Vegini (v) Kuttana (vi) Lunthita
(vii) Lolita (viiii) Visama.
Divisions :

(A) Bhaumi Chari (B) Akashi Chari
(i) Rasantika (ii) Sampluta
(Leinet) (Achongbi)
(iii) Upavistha
(Aphambi) i.e. Chakra leibi.

4. Bhramari -(Areibi)
(i) Vayya-Bhramari or Daksha- (Longlei)
(ii) Antara-Bhramari or Pidhan- (Uplei)

5. Kar-Karana-(Khutha-Khutthek)
(i) Avasthita (ii) Udvasthita
(iii) Vyabartita (iv) Parivartita

6. Nritta-Hasta- Kriya-(Khutthek)
(i) Udvanchita -(Champra-hekpi)
(ii) Anupallava- (Champra-aukpi)
(iii) Pakshanchita- (Champra-khai bi)
(iv) Swastik-chakra-(Khujing-leibi)
(v) Sandamsa- Vimoka-(Lashing-kappi)

Contd-

Minutes of the meeting of the Board of study in Music held on Feb. 16,1985 in Vidya Mandir, Room No.15. The following members attended the meeting:-

Extermal:

(1) Prof. U.S.Kochak

Internal:

1. Dr.R.D.Verma
2. Km. Abha Vyas
3. Smt. Shakuntala Shastri
4. Smt. Ibe Tambi
5. Smt. Manju Shukla
6. Kum. Beena Singh

1. After the formal welcome, the members studied the minutes of the Board of study held on 4th and 5th July,1984 and approved it.

2. The Board then considered syllabi, courses of studies and scheme of all the Examinations in Music (Vocal/Inst.) from P.U.to Post Graduate and approved as it is. The members of the Board also approved the syllabi, Courses of study and scheme of all the Examinations in Dance(Kathak), after a few corrections and additions as follows:-

Kathak Dance:

(1)(a) In certificate (Prathma) Examination, Theory paper, item No.2 will read now as 'Simple knowledge of kathak-Dance"- Broad outline of the technique of Kathak i.e. Foot work, Hand movements in the given Tal'.

(b) Item No.4 will read now as 'Definition of the following terms used in Kathak Dance- Tal (ताल) Matra (मात्रा) Laya (लय) Sam (सम) Tali (ताली) Khali (खाली) Theka (ठेका) Barabari (बराबरी) Dugun (दुगुन) Chaugun (चौगुन) Aavartan (आवर्तन) Palta (पलटा) Padhant (पढन्त) Gat (गत) Tukra (टुकड़ा) Salami (सलामी) Aamad (आमद) Thah (ठाह) Chaal (चाल) Baant (बाँट).'

(c) Item No.7 is 'knowledge of Trital(त्रिताल) and Jhaptal (झपताल) Ability to write notation in Trital of all the 'bols' learnt.'

(2)(a) In certificate (Prathma) Examination, Practical Examination the title TRITAL will read now as' the Practical will be held only in Trital'.

(b) Item No.6 will read now as 'One "Tathei Tat" Aamad(आमद) and one "Tathei Tat thei" Aamad(आमद)'

(3) In certificate (Madhyama I) Examination, Theory paper a new Tal is additionally added. The new Tal which is added is 'Rupak' (रूपक).

(4) In certificate (Madhyama I) Examination, Practical Cour under the Head 'Trital' Item No.3 has been additionally inserted as ' Two 'Tathei Tat' Aamads and Two 'Tathei Tathei' Aamads'. Increasing the following items numbers accordingly.

(5) In Item No.8 of Certificate (Madryama II) Examination. Theory paper, 'Chautal' has been dropped out. Three new Talas Viz. 'Ada-Chautal- Teevra and Sooltal' have been additionally added to this item.

(6) The Item No. 4 under Heading 'Dhamar' of the Certificate (Modhyama II) Examination practical Course will now read 'One Aamad "Ta thei Tat" and one Aamad of "Tathei Tat the

(7) In three years B.Mus./ (उ-तमा) (Three years) Course, the scheme of Marks will now read as:-

Scheme -

Total marks - 300
Theory 75+50 = 125M.P.
Practical125+50 = 175M.P.

(8)(a) In Item No.3 of B.Mus.I/ Uttama I Examination, Theory I paper the technical terms 'Ullokit(उल्लोकित) and 'Avlokit'(अवलोकित) are additionally added in the end.

(b) The Item No.7 of the same will now read as- 'Basic Knowledge of the following Talas, their 'Theka' in Barabar, Dugun, Chaugun (i) Sawari (ii) Ashtmangal (iii) Chautal(iv)Gaj Jhampa'.

(9)(a) In B.Mus.I/Uttama I Examination Part-II practical I, the Item No.4 will now read as- 'Four Sada Parans' under Head Trital.

(b) Item No.5 of the same will now read as- 'Two Chakkandar Para under Head Trital.

(c) The Item No.1 of the same under Head Chautal will read now as- One 'Ta Thei Tat' Aamad and One ' Ta thei Tat thei Aamod'.

Contd...

Ref. Item No. 5 of the Agenda

(180)

Minutes of the meeting of the Board of Studies in Dance held on 28-3-1986 at 10.00A.M. in Sangeet avam Nritya Prashikshan Kendra, Banasthali Vidyapith

Present:

1- Shri Tirath Ram Azad
2- Shri Hari Charan Sinha } External members

3- Smt. Shakuntala Shastri- Acting Convener
4- Smt. Ibe Tombi
5- Smt. Manju Shukla
6- Km. Beena Singh

1- The Board scrutinised the existing panel of examiners submitted by the Office in accordance with the Bye-laws 15-3-02 of the Vidyapith and updated the same.

2- The Board considered recommending courses of study and curricula and scheme of Examination for the following examinations.

I- B.Mus. Dance/Uttama (Kathak/Manipuri) Examinations

i) First Year Examination, 1987
ii) Second Year Examination, 1988
iii) Third Year Examination, 1989.

II- M.Mus. (Dance) Nishnat (Kathak/Manipuri) Examination

i) Part- I Examination, 1987
ii) Part-II Examination, 1988

III- Certificate course (Kathak/Manipuri) Dance Examination

i) Prathama Examination, 1987
ii) Madhyama Part- I Examination, 1987 and 88
iii) Madhyama Part- II Examination1987 and 88

Resolved to recommend as under:

i) The syllabus of Dance should be in Hindi version also.
ii) The existing syllabus of Kathak Dance be repeated for the aforesaid examinations. There are only some typographical errors which have been corrected in a separate book-let of the syllabus.
iii) The Hindi version of the syllabus of Kathak Dance is given at Appendix- I.

cont..

iv) The syllabus of Manipuri Dance for the aforesaid examinations is given at Appendix-II

v) The Hindi version of the syllabus of Manipuri Dance be prepared in the next meeting of the Board of ...

3. The Board recommended that a student seeking admission ... Nishnat be admitted on the basis of merit determined ... practical Test conducted by the Vidyapith. A student ... Uttama or equivalent examination be not admitted ... directly.

The meeting ended with a vote of thanks to the chair.

Shakuntala Shastri
Acting Convener